ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

15-10-2024

पुराने संस्कार, व्यर्थ संकल्प वा विकल्प के रूप में जब इमर्ज होते हैं तब बुद्धि में एक ही शब्द आता है कि यह क्यों हुआ, क्यों से व्यर्थ संकल्पों की क्यु शुरू हो जाती है। इस क्यु की समाप्ति के बाद ही सम्पूर्णता आयेगी। फिर वह क्यू लगेगी। जब क्यों शब्द निकल जायेगा तब ड्रामा की भावी पर एकरस स्थेरियम रहेंगे।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

When old sanskars emerge in the form of waste thoughts or sinful thoughts, then only one word emerges in your intellect: "Why did this happen?" With "why?", a queue of waste thoughts begins. Completion will only come after this queue has finished. Then that queue will begin. When the word "Why?" is removed, then you will be able to remain stable on the drama.